केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 134 शनिवार 7 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मां–बेटी की हत्या मामले में अभी पुलिस के हाथ खाली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थानाक्षेत्र के सेंठा में मां–बेटी की जघन्य हत्या की वारदात के 48 घंटे बाद भी पुलिस आरोपितों का एक भी सुराग नहीं लगा सकी है। गोदावरी देवी (60) और उनकी छोटी बेटी सौम्या (22) की गला दबाकर हत्या के बाद दोनों के शवों को आग लगा दी गई थी। बुधवार को अधजला शव एक कमरे में तख्ते पर मिला था। सम्पत्ति विवाद को लेकर वारदात को अंजाम देने का आरोप मृतका के बेटों, देवर अन्य परिवारीजनों पर ही है। घटना के बाद से ही फरार आरोपितों का लोकेशन ट्रेस कर पाने में स्थानीय पुलिस के साथ स्वॉट, क्राइम, एसओजी व सर्विलांस की टीमें अब तक नाकाम साबित हुई हैं। दो महिला आरोपितों को हिरासत में लेने की बात कही जा रही है, लेकिन इसकी अधिकृत पुष्टि नहीं हो सकी है।

पुलिस अफसरों का कहना है कि इस वारदात में आरोपी मृतका गोदावरी का देवर कमलेश उपाध्याय बेहद शातिर है। उसके खिलाफ दस से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस उसकी लोकेशन ट्रैक करने के लिए जिले में उसके सभी संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। लेकिन कमलेश के अलावा बेटे राजन व करुणाकर को भी अभी तक ट्रेस नहीं किया जा सका है।

घायल का उपचार के दौरान निधन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

नगर बाजार (बस्ती) सडक दुर्घटना मे घायल शख्स की गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान दस दिन बाद मौत हो गई। गोरखपुर पुलिस ने शव कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मौत की सूचना मिलते ही परिजनों मे कोहराम मच गया है।

नगर बाजार निवासी 70वर्षीय राम प्रसाद रावत 11नवंबर की अपने घर से निकल कर कुछ कार्य से जा रहे थे। तभी पीछे मोटरसाइकिल सवार नगर बाजार (दक्षिण टोला)निवासी शनि पुत्र सर्वजीत ने उन्हें ठोकर मार दिया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने नगर पुलिस को सूचना देकर उन्हें एंबुलेंस से जिला अस्पताल बस्ती में भर्ती कराया।जहाँ हालत गंभीर देखकर डॉक्टरों ने गोरखपुर रेफर कर दिया। उपचार के दौरान शुक्रवार को उनकी मौत हो गई।

थाना प्रभारी नगर देवेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक के भाई प्रेम सागर के तहरीर पर पहले ही शनि के खिलाफ मुकदमा दर्ज है। अब धारा भी तरमीम होगी।

बाबा साहब को किया नमन्

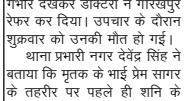

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

नगर बाजार(बस्ती)। नगर थाना क्षेत्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर परीनिर्वाण दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

महापरिनिर्वाण दिवस पर नगर पंचायत नगर बाजार के वार्ड नंबर 6भवानी प्रसाद नगर के ग्राम बैसबरहा में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया गया, उपस्थित लोगों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। सभासद वीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में वरिष्ठ लिपिक नगर पंचायत नगर बाजार के– नन्दलाल मिश्रा, सुपरवाइजर घनश्याम यादव, सत्यम शुक्ला, सिवेन्द्र सक्सेना, सभासद, एस०राज के के, अखिलेश यादव, राम गोपाल, रामकरन, ज्ञिनक राम, करियाराम, सुन्नी लाल, पंकज कुमार शिवपूजन मौर्य, रविप्रकाश मौर्य, दुर्वली मौर्य, आदि लोगों ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए नमन किया।

किसानों पर दागे आंसू गैस के गोले कई घायल, दिल्ली कूंच स्थगित

नई दिल्ली (आभा)। पंजाब से हरियाणा होते हुए दिल्ली में घुसने की कोशिश कर रहे किसानों ने अपना पैदल मार्च रविवार तक के लिए स्थगित कर दिया है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि सुरक्षाकर्मियों द्वारा दागे गए आंसू गैस के गोले के कारण कई किसान घायल हो गए हैं। इसकी वजह से किसानों ने रविवार तक के लिए दिल्ली की ओर अपना

पैदल मार्च स्थगित कर दिया है। पंधेर ने कहा, 'कुछ किसानों के घायल होने के मद्देनजर हमने आज के लिए जत्था वापस बुला लिया है।' किसान नेता ने दावा किया कि हरियाणा के सुरक्षाकर्मियों द्वारा आंसू गैस के गोले दागे जाने के कारण पांच से छह प्रदर्शनकारी किसान घायल हो गए। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि हमारे काफी नेता घायल हुए हैं। हमने जत्थे को वापस बुला लिया है। दिल्ली मार्च पर फैसला बाद में लिया जाएगा।

दरअसल 11 महीने से डटे किसानों ने शंभू बॉर्डर से पैदल ही दिल्ली कूच शुरू किया था। 101 किसानों का जत्था दिल्ली के लिए अंबाला के शंभू बॉर्डर से रवाना हुआ था, लेकिन पुलिस ने इन्हें रोक दिया क्योंकि किसानों को दिल्ली जाने की अनुमति नहीं मिली है। इसके बाद किसानों ने बैरिकेड और कंटीले तार उखाड़ दिए। इस पर हरियाणा पुलिस ने उन्हें चेतावनी दी और आंसू गैस के गोले छोड़े, जिसमें 7 किसान घायल हुए हैं।

इस ऐक्शन के बाद सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि किसान संगठनों के दो मंच संयुक्त किसान मोर्चा (गैर–राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा, एक बैठक के बाद अगले कदम के बारे में फैसला करेंगे।

गो संरक्षण संवर्धन समिति का गठन करायें अधिकारी– महेश शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विभागीय अधिकारी गो संरक्षण संवर्धन समिति का गठन कराना यथाशीघ्र सुनिश्चित करें। उक्त निर्देश गो संरक्षण आयोग उपाध्यक्ष महेश शुक्ल ने सभी खण्ड विकास अधिकारी व प्रभारी पशु चिकित्साधिकारियों को दिया है। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित गोवंश संरक्षण समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा कि गोवंश संरक्षण एक पुनीत कार्य है, जो वर्तमान में काफी चुनौतीपूर्ण है। सभी उप जिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी संबंधित अधिकारियों के साथ आपसी समन्वय से गोशालाओं की समुचित व्यवस्था करायें। शासन की मंशानुरूप ठण्ड में तिरपाल, बिछावन, अलाव, समुचित चिकित्सा, भूषा व चारे का प्रबंध तथा शव विसर्जन सहित सभी आवश्यक कार्य कराना सुनिश्चित करें।

उन्होने कहा कि उप जिलाधिकारीगण अपने क्षेत्र की गोशाला की गोचर भूमि की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करें तथा अवैध कब्जा हटाये जाने हेतु त्वरित कार्यवाही करें।

उन्होने निर्देश दिया कि वन विभाग के अधिकारी गो आश्रय स्थल पर वृक्षारोपण करें। वृक्षारोपण से मृदा सुधार के साथ ही गोवंश के लिए समुचित छाया भी मिलेंगी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. राजेश त्रिपाठी ने बताया कि जनपद में 59 गो आश्रय स्थल एवं 03 कान्हा गोशाला संचालित है, जिसका निरन्तर देख–रेख किया जा रहा है तथा कोई भी अव्यवस्था/शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल निस्तारण भी किया जा रहा है। इस अवसर पर गो आश्रय स्थल के कार्यो में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए कार्य की उत्कृष्टता पर उपाध्यक्ष तथा जिलाधिकारी ने संयुक्त रूप से रामनगर विकास खण्ड के डिप्टी सीवीओ डा. बलराम चौरसिया व ग्राम पंचायत मझारी के प्रधान प्रदीप कुमार उर्फ मुन्ना चौधरी को प्रशस्ति पत्र व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। बैठक में जिलाधिकारी, सीडीओ व सीवीओ ने को बुके देकर उनका स्वागत किया।

अर्जक समाज ने बाबा साहब को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर शुक्रवार को अर्जक समाज पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय संयोजक गौरीशंकर के नेतृत्व में कटेश्वरपार्क स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे नमन् किया गया। गौरीशंकर ने कहा कि बाबा साहब का योगदान युगो तक याद किया जायेगा। भीम युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव ने कहा कि बाबा साहब के संघर्षो का ही परिणाम है कि आज समाज के वंचित वर्ग मुख्य धारा में आने को प्रयासरत है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने बाबा साहब के 22 प्रतिज्ञाओं को दोहराया।

मुख्य रूप से अवनीश प्रभात, अजय कुमार, हेमन्त कुमार, रामजीत, प्रमेन्द्र, रामानुज भाष्कर, अंकुश राज, अमन कुमार, सरोजा देवी, महेन्द्र गौतम के साथ ही बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

डाक्टर ने एसपी से किया चोरी के घटना के खुलासे की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के उमरी अहरा वार्ड नं. 12 पटेल नगर निवासी डा. सतीश चन्द्र चौधरी ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर अज्ञात चोरों से एक लाख 54 हजार रूपया नकद, जेवर, मंगल सूत्र आदि के बरामदगी की मांग किया है।

पत्र में डा. सतीश चन्द्र चौधरी ने कहा है कि गत 13 नवम्बर को दिन में उनके मकान का ताला तोड़कर दिन दहाड़े लाखों रूपयों की चोरी हो गई। तहरीर पर मुण्डेरवा पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरूद्ध मुकदमा तो दर्ज कर लिया किन्तु न तो कोई बरामदगी हुई न ही चोरों को गिरफ्तार ही किया गया।

याद किये गये बाबा साहब

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बाबा साहेब डॉ०भीमराव आंबेडकर के 68वें महापरिनिर्वाण दिवस पर ग्राम पंचायत – मरहा स्थित माता रमाबाई अम्बेडकर बौद्ध बिहार पार्क में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अखिल कुमार यादव ने ग्रामवासियों के साथ बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। कहा कि बाबा साहब का योगदान सदैव याद किया जायेगा।

इस अवसर पर ग्राम वासियों ने बाबा साहेब के पदचिन्हों पर एकजुटता के साथ चलने का संकल्प भी लिया. कार्यक्रम के दौरान राजबहादुर गौतम, धर्मपाल, राजाराम, चंद्र प्रकाश यादव, राम पूजन भारती आदि मौजूद रहे.

परिनिर्वाण दिवस पर समाजवादियों ने बाबा साहब को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शुक्रवार को पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने संविधान निर्माता बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस याद किया। उनके चित्र पर पार्टी कार्यालय और कटेश्वर पार्क स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर अर्थशास्त्री, न्यायविद, राजनीतिज्ञ, समाज सुधारक और राजनीतिक नेता थे। उन्होंने दलित जाति के लिए काफी काम किया। वे समाज से भेदभाव को खत्म करना चाहते थे। समाज में अछूतों को लेकर हो रहे भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया था। उन्होंने हमेशा श्रमिकों, किसानों और महिलाओं के अधिकार के लिये संघर्ष किया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक कविन्द्र चौधरी

-समाज से भेदभाव को खत्म करना चाहते थे बाबा साहब- महेन्द्रनाथ यादव

अतुल, दयाशंकर मिश्र, मो. स्वालेह, समीर चौधरी, विजय विकम आर्य, रन बहादुर यादव, आर.डी. निषाद मो. उमर आदि ने बाबा साहब ने भारत को सशक्त संविधान दिया। भारत का संविधान देश की आत्मा के रूप में निर्मित है। आज हम सबको बाबा साहब के विचारों उनके उद्देश्य के सपने को साकार करने की जिम्मेदारी बनती है। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने ऐसा संविधान बनाया है। जिसमें प्रत्येक व्यक्ति के मौलिक अधिकारों कर्तव्य और विविधता में एकता हमेशा कायम रहने की इजाजत देता है। बाबा साहब का संविधान ने देशवासियों को प्रेम भाव से मिलजुल कर देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने की सीख देता है। वे युगो तक याद किये जायेंगे।

बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन् करने वालों में मुख्य रूप से राजेन्द्र यादव, हनुमान चौधरी, नितराम चौधरी, गीता भारती, इन्द्रावती शुक्ला, अजय यादव, रहमान सिद्दीकी, चीनी चौधरी, संजय गौतम, रजवंत यादव, कमल यादव, ग्रीस चन्द, गुलाम गौस, अरविन्द यादव, मो. हारिश, राहुल सोनकर, राघवेन्द्र सिंह, सुरेश सोनकर, प्रभाकर वर्मा, मुरली पाण्डेय, अंकुर गौतम के साथ ही सपा के अनेक कार्यकर्ता, पदाधिकारी शामिल रहे। इसी कम में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने अनेक स्थानों पर बाबा साहब को नमन् कर उनके योगदान पर चर्चा किया। सपा के बस्ती सदर विधानसभाध्यक्ष मो. सलीम के संयोजन में घरसोहिया में बाबा साहब की स्मृति में आयोजन किया गया।

बोले योगी–बाबा साहब का अपमान करने वाले बांग्लादेश पर चुप क्यों हैं?

लखनऊ (आभा)। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को कांग्रेस पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सवाल किया कि संविधान की प्रति दिखाकर ढोंग करने वाले लोग बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर चुप क्यों हैं? सीएम ने कहा, कुछ लोग समाज को धोखा दे रहे हैं। झूठ फैला रहे हैं। ये वही लोग हैं जो हैदराबाद के निजाम द्वारा दलितों के गांव जलाए जाने पर चुप थे। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए सीएम योगी ने कहा, ये लोग संविधान की प्रति दिखाकर सिर्फ ढोंग कर

रहे हैं। इनका बाबा साहब के मूल्यों से कोई लेना–देना नहीं है। सीएम ने कहा, ये लोग बांग्लादेश के मुद्दे पर चुप हैं। एक भी शब्द नहीं बोल रहे हैं, क्योंकि ये सच को स्वीकार नहीं कर सकते और सच बोल भी नहीं सकते।

कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, संविधान की प्रस्तावना इसकी आत्मा है। कांग्रेस ने इस आत्मा को नुकसान पहुंचाया है। 1975 में कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर बाबा साहब का अपमान किया था। आज भी कांग्रेस वही कर रही है। उन्होंने मूल संविधान की प्रस्तावना में संशोधन कर उन शब्दों को जोड़ दिया, जिन्हें बाबा साहब ने मूल संविधान में जोड़ा ही नहीं था। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को जनता के सामने बेनकाब करने की जरूरत है। आदित्यनाथ ने इस अवसर पर बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों का मुद्दा भी उठाया।

पदाधिकारियों को दिलायी शपथः एकजुटता पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश संभागीय परिवहन कर्मचारी संघ पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आर.टी.ओ. सभाकक्ष में सम्पन्न हुआ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुये कहा कि देश के साथ ही उत्तर प्रदेश के राज्य कर्मचारी कठिन दौर से गुजर रहे हैं। उनके अधिकारों को एक–एक कर छीना जा रहा है। लम्बे संघर्ष के बाजजूद केन्द्र और राज्य की सरकार पुरानी पेंशन बहाल करने को तैयार नहीं है। अभी तक आठवे वेतन आयोग का गठन तक नहीं किया गया। सरकारी नौकरियों को सीमित कर देने का प्रायोजित षड़यंत्र चल रहा है। ऐसे में हमें अपने अधिकारों के लिये एकजुटता बढ़ाकर संघर्ष तेज करना होगा।

शपथ ग्रहण के दौरान

–अधिकारों के लिये एकजुट हों कर्मचारी– रामअधार पाल

विनीतराज श्रीवास्तव अध्यक्ष, आशुतोष तिवारी उपाध्यक्ष, महेश कुमार मंत्री, विनोद श्रीवास्तव संगठन मंत्री और प्रेम सागर को कोषाध्यक्ष पद पर शपथ दिलाया गया।

राजस्व संग्रह अमीन संघ के पूर्व अध्यक्ष उमेश वर्मा, उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष अजय आर्य ने पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे अपने कर्तव्यों के पालन के साथ ही अधिकारों के लिये एकजुट रहे। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष समाजीत पाल, रमेश कुमार, बिन्नू सिंह, श्वेता सिंह, सूर्यभान, आर.आई.टी. संजय दास के साथ ही विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बाबा साहब के अधूरे सपनों को पूरा करेगी बसपाः संगोष्ठी मे विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर बहुजन समाज पार्टी द्वारा जिलाध्यक्ष जयहिन्द गौतम के संयोजन में बडे वन के निकट स्थित एक होटल के सभागार में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसके पूर्व पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्थान–स्थान पर रैलियां निकाली और कटेश्वर पार्क स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में संम्बोधित करते हुये बसपा के राष्ट्रीय महासचिव मुनकाद अली ने कहा कि संविधान निर्माण के साथ ही बाबा साहब ने दलित, पिछड़े समाज को मुख्य धारा में जोड़ने के लिये अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। बाबा साहब के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिये बहन मायावती निरन्तर संघर्ष कर रही हैं। हमें एकजुटता से बसपा को ताकत देनी होगी।

गोष्ठी को पूर्व विधायक

भगवान दास, लालचंद निषाद के साथ ही लवकुश पटेल, सीताराम शास्त्री, धर्मदेव प्रियदर्शी, राजेन्द्र प्रसाद गौतम, अवनीश कुमार, ओम प्रकाश, अतर सिंह आदि ने सम्बोधित करते हुये बाबा साहब के जीवन संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि बाबा साहब ने शिक्षित बनने पर सर्वाधिक जोर दिया। हमें प्रयास करना होगा कि अने बच्चों को अवश्यक शिक्षित करकं जिससे वे अपने अधिकारों के लिये संघर्ष कर आगे बढ सकें।

बाबा साहब को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से ज्ञिनकान प्रसाद, भरतलाल निषाद, यशवंत निगम, प्रमोद कुमार, प्रेमसागर, युगुल किशोर चौधरी, महेन्द्र कुमार, के.पी. राठौर, दिवाकर कपूर, शैलन्द्र गौतम, रामफेर गौतम, दीपक कुमार, आर. डी. प्रेमी, नवमी प्रसाद, प्रदीप गौतम, देशराज, राजकुमार आर्या, रामदास एडवोकेट, राम निरंजन, तबारक अली, नीरज भारती, अमरनाथ बौद्ध, के.सी. मौर्य, रामलला गौड़, महेश चन्द्रबंशी, दर्शन बौद्ध के साथ ही हजारों की संख्या में बसपा पदाधिकारी, सदस्य और मालती, उमादेवी, विमला देवी, पूजा, पुष्पा, पुनीता के साथ ही अनेक महिलायें शामिल रहीं।

डा. वी.के. वर्मा को साहित्य गौरव, साहित्य शिरोमणि सम्मान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती .। प्रसिद्ध समाजसेवी, वरिष्ठ चिकित्सक, साहित्यकार डॉ. वी.के. वर्मा को उनके साहित्यिक योगदान के लिये विक्रम शिला हिन्दी विद्या पीठ भागलपुर से हिन्दी साहित्य गौरव और ग्लोबल फाउन्डेशन लखनऊ द्वारा साहित्य शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया।

कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित एक परिचर्चा संगोष्ठी में डॉ. वी.के. वर्मा को वरिष्ठ कवि डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने साहित्यकारों के साथ सम्मान पत्र भेट किया।

डा. वी.के. वर्मा के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालते हुये डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने कहा कि 'मानवता के स्वर, काव्य मुखी, युग चित्र, भावानुभूति, काव्य सौरभ, 'भाव मन्थन' काव्य संग्रह एवं लघु कथा संग्रह 'सोच, कहानी संग्रह उत्कर्ष एवं 'कोविड 19 काव्य संग्रह' जैसी कृतियों की रचना सहज कार्य नहीं है. डॉ. वर्मा ने चिकित्सक और साहित्यकार दोनों सन्दर्भों में स्वयं को सिद्ध किया है। बुद्ध पर केन्द्रित प्रबन्ध काव्य 'तथागत' शीघ्र पाठकों के सम्मुख होगा।

वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि डॉ. वर्मा का व्यक्तित्व बहु आयामी है। वे व्यस्ततम क्षणों में साहित्य के लिये जो योगदान कर रहे हैं निश्चित रूप से वह सराहनीय है। इतने कम समय में 9 कृतियों की रचना बड़ी उपलब्धि है।

सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. वी.के. वर्मा ने कहा कि वे जिन स्थितियों को अनुभूत करते हैं उसे काव्य में ढालने की कोशिश करते हैं। इससे उन्हें आत्म सन्तोष होता है। सम्मान से सामाजिक उत्तरदायित्व और बढ जाता है।

डा. वी.के. वर्मा को सम्मानित किये जाने पर डॉ. राम नरेश सिंह 'मंजुल' डा. रामजी सोनी, डा. विनोद सचान, विनोद कुमार उपाध्याय, बी.के. मिश्र, पेशकार मिश्र, पं0 चन्द्रबली मिश्र, डा. बी.बी. मिश्र, डा. के.के. सिंह, दीपक सिंह प्रेमी, असद वस्तवी, बाबूराम वर्मा, नवनीत पाण्डेय, बटुक नाथ शुक्ल आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 7 दिसम्बर 2024 शनिवार

सम्पादकीय

शिक्षा प्रणाली और नीतियां

बदलते सन्दर्भो में शिक्षा के स्वरूप को विश्व व्यापी बनाये जाने की जरूरत है जिससे हम समूची दुनियां से संवाद की ओर और मजबूती के साथ आगे बढे। इससे विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। जिस तरह बदलते समय और समाज के साथ हमारी जरूरतें बदलती हैं और बदलती जरूरतों के साथ हमारी समस्याएं भी बदलती हैं, उसी तरह हमारी शिक्षा व्यवस्था में भी बदलाव अनिवार्य है। देश में आजादी के बाद से अब तक तीन प्रमुख शिक्षा नीति लाई जा चुकी हैं– राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का दृष्टिकोण एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना है, जो भारत को ज्ञान की महाशक्ति बनाए और एक मजबूत, समावेशी और अभिनव समाज का निर्माण करे। इस नीति का उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है, जो वैश्विक नजरिये के साथ–साथ भारतीय मूल्यों और संस्कृति में भी गहराई से जुड़े हों।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की घोषणा से पहले ही 2015 में संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों ने मिलकर वैश्विक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए 17 नए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) तैयार किए, जिन्हें 193 सदस्य देशों ने अपनाया था। इन लक्ष्यों का उद्देश्य मानवता और प्रकृति के संतुलित विकास के लिए एक व्यापक योजना तैयार करना था, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, समानता, पर्यावरण सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, आर्थिक विकास और वैश्विक सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारत भी इन लक्ष्यों का एक हस्ताक्षरकर्ता रहा है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी नीतियों और कार्यों में इन लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से अपनाएं। हालांकि, एक बड़ी चुनौती यह है कि नागरिकों में सतत विकास लक्ष्यों के प्रति जिम्मेदारी का भाव कैसे उत्पन्न किया जाए, क्योंकि दुनिया भर में लोग विभिन्न सीमाओं, जाति, पंथ आदि के आधार पर विभाजित हैं। इस विभाजन के कारण अक्सर लोग एक–दूसरे से अलग–थलग महसूस करते हैं और वैश्विक समस्याओं के प्रति उनकी जिम्मेदारी का एहसास कमजोर हो जाता है। इस समस्या का उपयुक्त समाधान है कि जन समुदाय में वैश्विक नागरिकता का भाव पैदा किया जाए।

यह गर्व की बात है कि हमारे देश की सभ्यता का तो मूल मंत्र ही वसुधैव कुटुम्बकम् और सर्वे भवन्तु सुखिनः है। अर्थात, हम लोग आदि–अनादि काल से ही वैश्विक नागरिकता के सिद्धांत का पालन करते आए हैं। वसुधैव कुटुम्बकम् का विचार हमें सिखाता है कि पूरी दुनिया के लोग एक–दूसरे से जुड़े हुए हैं और उनकी भलाई में ही हमारी भलाई है। यह दृष्टिकोण जाति, धर्म या राष्ट्रीय सीमाओं से ऊपर उठकर पूरी मानवता को एक परिवार के रूप में देखता है। वहीं, सर्वे भवन्तु सुखिनः का संदेश समानता, शांति और समृद्धि की कामना करता है। यह विचार लोगों को आपसी प्रेम, दया और सहानुभूति से जोड़ता है, जो वैश्विक नागरिकता का मूल है।

हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यूजीसी ने एसडीजी और एनईपी 2020 के अनुरूप 'एजुकेशनल फ्रेमवर्क फॉर ग्लोबल सिटीजनशिप इन हायर एजुकेशन' तैयार किया है। यह दस्तावेज वैश्विक नागरिकता के दृष्टिकोण, पाठ्यक्रम संरचना, शिक्षा–शास्त्र, सीखने के परिणामों व इसके कार्यान्वयन के तौर–तरीकों पर प्रकाश डालता है।

वैश्विक नागरिकता एक सकारात्मक विचार है, पर इसे वास्तविकता में उतारने में कई चुनौतियां आएंगी। इनके समाधान के लिए वैश्विक स्तर पर सहयोग और संवाद की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 की दृष्टि बहुत व्यापक है, जो हमारे शिक्षार्थियों को वैश्विक नागरिक के रूप में विकसित करने पर जोर देती है, साथ ही उन्हें अपनी जड़ों और जीवन मूल्यों से जुड़े रहने पर भी जोर देती है। हमारे शैक्षिक संस्थानों को इसी के अनुरूप भारत को ज्ञान की महाशक्ति के रूप में देखने और खुशहाल विश्व के निर्माण हेतु अपने शिक्षार्थियों को वैश्विक नागरिक के रूप में विकसित करने के लिए संकल्प लेना चाहिए।

देवेन्द्र फडणवीस के साथ महाराष्ट्र की राजनीति

—अवधेश कुमार—

देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के साथ महाराष्ट्र की राजनीति के स्थिर आयाम तक पहुंचने का संकेत मिल रहा है। वर्तमान विधानसभा चुनाव परिणाम का स्वाभाविक राजनीतिक फलितार्थ यही हो सकता था। 2014 से देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र की राजनीति के जिस दौर की शुरुआत हुई उस पर 2019 में ग्रहण लगने का कोई स्वाभाविक कारण नहीं था। भाजपा और शिवसेना दोनों को मिलाकर जनता ने 161 सीटों का बहुमत दिया था लेकिन उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना ने मुख्यमंत्री के रूप में समर्थन देने से इनकार कर स्वयं अपनी दावेदारी पेश की। यहां से महाराष्ट्र की राजनीति अस्वाभाविक, अनैतिक और अस्थिरता के ऐसे दौर में उलझी जहां राजनीतिक विचारधारा का सबसे बड़ा संभ्रम कायम हुआ। शरद पवार के नेतृत्व में राकांपा और कांग्रेस तो राजनीतिक साझेदार थे ही लेकिन महाराष्ट्र में आक्रामक हिंदुत्व की राजनीति वाले शिवसेना ने सत्ता के नेतृत्व के लिए जिस तरह रंग बदला उसे जनता की स्थायी स्वीकृति मिलनी 2014 से भारत में आरंभ हुई राजनीति के दौर के बीच असाधारण घटना होती।

सच कहें तो महाराष्ट्र की राजनीतिक सत्ता अब स्वाभाविक विचारधारा की पटरी पर आ गई है। वैसे तो जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के अंदर हुए विद्रोह ने ही संदेश दे दिया कि अस्वाभाविक वैचारिकता के घुटन को बड़ा वर्ग स्वीकार करने को तैयार नहीं। दूसरी ओर जब अजीत पवार के नेतृत्व में राकांपा भी इस ओर आ गई तो साफ हो गया कि महाराष्ट्र के सत्ता समीकरण में कांग्रेस को छोड़ किसी दल के अंदर सहजता नहीं थी। हालांकि लोकसभा चुनाव में महविकास अघाड़ के प्रभावी प्रदर्शन ने फिर एक बार स्वाभाविक राजनीति पर ग्रहण लगाया लेकिन निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ विश्लेषक मान रहे थे कि यह भी एक अस्थाई परिघटना ही है। लोकसभा चुनाव में कई कारकों ने महाराष्ट्र के साथ उत्तर प्रदेश तथा इससे कम परिमाण में कुछ दूसरे राज्यों में अपनी भूमिका निभाई जिसे भाजपा नेतृत्व में राजग की सीटें कम हुईं। परिणाम के बाद स्वयं मतदाताओं को भी लगा उनसे गलती हो चुकी है। पहले हरियाणा और फिर महाराष्ट्र में मतदाताओं ने अनुकूल परिस्थितियों, सक्षम नेतृत्व एवं समीकरणों की सहजता को देखते हुए अपना जनादेश दे दिया।

किसी भी नेता के मुख्यमंत्री बनने के बाद गठबंधन विजयी हो और सरकार में होते हुए फिर उसे पद पर न लाया जाए तो समस्या होती है। चुनाव परिणाम के बाद सरकार गठन में लगभग दो सप्ताह का समय इसी कारण लगा क्योंकि देवेंद्र को नेता के रूप में स्वीकार करने के लिए एकनाथ शिंदे को तैयार करना था या उन्हें तैयार होना था। चुनाव परिणाम से इतना तो साफ है कि एकनाथ शिंदे के विद्रोह को शिव सैनिकों ने स्वीकार किया और उन्होंने इतने प्रभावी परिवार से पार्टी को अलग कर स्वाभाविक पटरी पर लाने की अकल्पनीय भूमिका निभाई। जून 2022 में भाजपा नेतृत्व के सामने सरकार की स्थिरता और सुदृढ़ता के लिए आवश्यक था कि शिंदे को नेतृत्व दिया जाए। भाजपा नेतृत्व ने उन्हें स्थाई रूप से मुख्यमंत्री बनाने का कोई वचन दिया होता तो वह अवश्य इसकी चर्चा करते। पूरे चुनाव अभियान के दौरान कोई भी मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश नहीं किया गया। शिंदे के समर्थक और शिवसैनिकों का निश्चित रूप से एक बड़ा वर्ग फिर से उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहता होगा लेकिन ऐसा जारी रहना ही फिर महाराष्ट्र की राजनीति के अस्वाभाविक अस्थिर होने का कारण बन जाता। शिंदे को भी जन प्रतिक्रिया का आभास होगा एहसास हो गया होगा कि उद्धव ठाकरे के विरुद्ध विद्रोह से निर्मित सशक्त नेता की उनकी छवि सरकार गठन में बाधा बनने से काफी कमजोर हो रही है। उनकी वर्तमान भूमिका भविष्य पर ग्रहण लग रहा था । कह सकते हैं कि दूसरे साझेदार अजीत पवार के साथ भाजपा को बहुमत मिल गया था और इसमें शिंदे की अपरिहार्यता नहीं रह गई थी। यह सतह पर दिखने वाला एक पहलू है। भाजपा नेतृत्व को पता है कि महाराष्ट्र की राजनीति में उनके लिए शिंदे नेतृत्व वाली शिवसेना का साथ विचारधारा के आधार पर दीर्घकालिक काम करने के लिए आज आवश्यक है।

वैसे गठबंधन में साझेदार होने के कारण अजीत पवार के मंतव्य का भी नेतृत्व के संदर्भ में महत्व था और उन्होंने भी परिपक्वता दिखाई। सच कहें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा ने दूरगामी सोच के साथ अपनी पार्टी और दोनों साझेदारों को किसी स्तर पर असंतुष्ट और नाराज होने का अवसर नहीं दिया। संघ की भी प्रभावी सक्रियता थी। यही कारण था कि सीटों के बंटवारे और उम्मीदवारों के चयन तक में थोड़ी बहुत हल्के फुल्के मतभेद होते हुए भी तीनों पार्टियों तथा प्रमुख नेता बिल्कुल एकजुट होकर चुनाव लड़ते रहे। किसी ने भी एक दूसरे के विरुद्ध भ्रम पैदा होने का एक बयान नहीं दिया। यहां यह ध्यान रखना जरूरी है एकनाथ शिंदे जब उद्धव ठाकरे के विरुद्ध विद्रोह कर बाहर आए थे तो उन्हें भी भान नहीं था कि भाजपा उनके हाथों सरकार का नेतृत्व सौंप देगी।भाजपा के पास विधानसभा में 105 सीटें थीं। जब पत्रकार वार्ता में देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री के रूप में उनके नाम की घोषणा की तो उन्होंने बिल्कुल एक शत–प्रतिशत कृतज्ञ भरे भाव के साथ इसे देवेंद्र की महानता और विशेष कृपा करार दिया था। तो उनके अंदर भी यह भाव अवश्य रहा होगा कि देवेंद्र फडणवीस ही भाजपा और गठबंधन के स्वाभाविक नेता होंगे। वैसे देवेंद्र की शिंदे को गठबंधन से बाहर लाने में बहुत बड़ी भूमिका थी। उन्होंने उद्धव ठाकरे और शरद पवार दोनों के विरुद्ध राजनीतिक मोर्चा खोला और पवार को तो सीधी चुनौती दी।

अब प्रश्न है कि आगे सरकार की दिशा क्या होगी? पूरे चुनाव अभियान में देवेंद्र फडणवीस की छवि एक परिपक्व व आत्मविश्वास से भरे हिन्दुत्ववादी शुद्ध स्वयंसेवक भाजपा नेता की बनी। उन्होंने प्रदेश में कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं और उनका समर्थन देने वाले महाविकास आघाड़ी के विरुद्ध लगातार प्रखर आक्रमणों से अपनी छवि वर्तमान राजनीतिक ध ारा के अनुरूप बनाई। संघ और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की ओर से इसकी हरी झंडी थी इसलिए उन्हें खुलकर सामने आने में समस्या भी नहीं हुई। इस मंच से उनके द्वारा द्वारा गाए जा रहे जागो हिंदू गीत भी वायरल था और इसका असर हुआ। भाजपा में केंद्रीय नेतृत्व के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि पहले से प्रखर हिंदुत्ववादी नेता की है। देवेंद्र फडणवीस के राजनीतिक जीवन का यहां से नए दौर की शुरुआत हुई है और महाराष्ट्र में भी आने वाले समय में हमें देश व प्रदेश के लिए अति आवश्यक कट्टर इस्लामवाद के विरुद्ध प्रखर हिंदुत्व की नीति साफ दिखाई देगी। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने अपने भाषण में हिंदवी स्वराज से लेकर अहिल्याबाई होल्कर का नाम लिया और फिर उसी श्रेणी में बाबा साहब से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अन्य भाजपा नेताओं तथा समर्थन देने वाले विधायकों तक का उल्लेख कर अपनी राजनीतिक धारा को बिल्कुल स्पष्ट किया। एक है तो सेफ है और बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर महायुति में लगा कि मतभेद है। अजीत पवार ने योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे के विरुद्ध बयान दिया। लेकिन देवेंद्र फडणवीस ने अपने साक्षात्कार में स्पष्ट कह दिया कि योगी जी ने कुछ भी गलत नहीं बोला है। औरंगाबाद में उन्होंने वोट जिहाद को वोट के ध ्युद्ध से पराजित करने की घोषणा की और इनका भी चमत्कारी असर हुआ। अजीत पवार के बारे में भी उनकी टिप्पणी थी कि वह बहुत बाद गठबंधन में आए हैं और धीरे–धीरे उन्हें भी समझ में आ जाएगा। यह सरकार गठन के पूर्व भावी नीतियों को लेकर घोषणा थी। यानी गठबंधन का कोई दबाव संघ तथा भाजपा के अपने हिंदुत्व एजेंडा के मार्ग में बाधा नहीं बनेगा। यही विचारधारा शिवसेना शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के भी भाजपा के साथ बने रहने की गारंटी होगी। धीरे–धीरे शिंदे का व्यवहार भी समान्य पटरी पर आएगा। जब 5 वर्ष तक मुख्यमंत्री रहने के बावजूद देवेंद्र फडणवीस दूरगामी राजनीतिक हित को देखते हुए उपमुख्यमंत्री के रूप में काम कर सकते हैं तो फिर एकनाथ शिंदे क्यों नहीं?

भारतीय आकांक्षा और नये कानून

—के.पी. सिंह—

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 3 दिसम्बर को चंडीगढ़ में एक भव्य समारोह में नए आपराधिक कानूनों के सफल कार्यान्वयन को राष्ट्र को समर्पित किया। गृहमंत्री ने नए कानूनों को लागू करने वाली पहली इकाई होने के लिए चंडीगढ़ पुलिस की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि अगले 3 वर्षों में ये कानून पूरे देश में लागू हो जाएंगे। इस प्रक्रिया में आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न स्तम्भों के बीच समन्वय और बुनियादी ढांचे के निर्माण तथा कई पोर्टलों के साथ डेटाबेस का एकीकरण जैसी समय लेने वाली प्रक्रिया शामिल है।

गृहमंत्री ने कहा कि इन कानूनों को लागू करने के लिए 11,34,698 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है और 1 जुलाई, 2024 के बाद कानून के नए प्रावधानों के अन्तर्गत 11 लाख से अधिक आपराधिक मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें से 9500 मामलों में पहले ही फैसला आ चुका है। इन नई कानूनी प्रक्रियाओं का ऐसा प्रभाव है कि चंडीगढ़ पुलिस ने नई योजना के बाद निर्धारित किए गए सभी मामलों में 85 प्रतिशत सजा की दर प्राप्त कर ली है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज लोगों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था जब वे भारतीय आत्मा के साथ नए युग के दण्ड विधानों को अपनाने के साक्षी बने हैं। जन–केन्द्रित और न्याय–उन्मुख दृष्टिकोण को अपनाते हुए नए कानून दमन और प्रतिशोध पर आधारित औपनिवेशिक कानूनों का स्थान लेंगे।

इस अवसर ने न्याय प्रक्रिया से जुड़े पेशेवरों को नए कानूनों के लागू होने के बाद से उनके कामकाज के परिचालन ऑडिट करने का मौका भी प्रदान किया, ताकि बाधाओं और कमियों की पहचान की जा सके और भविष्य में उनके निराकरण के उपाय सुझाए जा सकें। उनके अनुसार कानून निर्वात में क्रियान्वित नहीं किए जा सकते।

इस तथ्य से कोई इंकार नहीं कर सकता है कि पुलिस जांच अधिकारियों ने सभी मामलों में आपराधिक कानूनों की नई धाराओं का उपयोग करना शुरू कर दिया है, हालांकि सफल क्रियान्वयन का अर्थ इससे कहीं अधिक होता है। जिसमें इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण करके आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रस्तावित डिजिटलीकरण के सपने को पूरा करना महत्वपूर्ण है। इसके लिए कर्मचारियों की भर्ती और प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी। हितधारकों के बीच समर्पक और समन्वय के लिए अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम (सीसीटीएनएस) और अन्तर–संचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली (आईसीजेएस) से सम्बन्धित सॉफ्टवेयर को उन्नत करना भी उतना ही जरूरी है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) में परिकल्पित कई नई अवधारणाओं के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए नियम और उप–नियम बनाना सफलता की कुंजी साबित होगी। प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) का ई–पंजीकरण, समन और वारंट की ई–सेवा, जीरो एफआईआर, गवाह सुरक्षा योजनाएं, सामुदायिक सेवा की सजा, दोषी की अनुपस्थिति में मुकदमा, अपराधों से अर्जित सम्पत्ति की जब्ती, माल–मुकदमों की सम्पत्तियों का समयबद्ध निपटान, अपराध पीड़ितों के साथ जब्त सम्पत्ति को साझा करना, सजा में कमी, वीडियोग्राफी फुटेज का मण्डारण आदि से सम्बन्धित प्रावधानों को लागू करना तब तक वास्तविकता नहीं होगी जब तक कि राज्यों द्वारा संचालन प्रोटोकॉल और नियम तुरंत तैयार नहीं किए जाते। ऐसे नियमों व प्रोटोकॉल के अभाव में, नए कानूनों की नवीन अवधारणाएं केवल कागजों तक सीमित ही रह जाएंगी।

गृहमंत्री ने फोरेंसिक विशेषज्ञों को आपराधिक न्याय प्रणाली के पांचवें स्तम्भ की संज्ञा दी है। अब तक न्यायवैधिक विज्ञान प्रयोगशालाओं (एफएसएल) का नेटवर्क बहुत कम है। नए कानूनों के अनुसार, 7 साल से अधिक की सजा वाले सभी अपराधों के घटनास्थलों पर फोरेंसिक विशेषज्ञों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए, न्यायवैधिक प्रयोगशालाओं का पुलिस थाना स्तर तक विस्तार बेहद जरूरी है। वर्तमान में फोरेंसिक विशेषज्ञों की सीमित उपलब्धता के मद्देनजर यह एक बहुत ही कठिन कार्य प्रतीत होता है।

आपराधिक न्याय के स्तम्भों अर्थात पुलिस, अदालत, अभियोजन, जेल प्रशासन और फोरेंसिक लैब का डिजीटल एकीकरण एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। इस मुद्दे पर कार्य शुरू हो चुका है लेकिन यह तब तक पूरा नहीं हो सकता जब तक कि राज्य की एजेंसियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले अन्य सभी सम्बन्धित कार्य उनके द्वारा पूरे नहीं कर लिए जाते। मुकदमों में शामिल सम्पत्तियों के समयबद्ध निपटान के नए प्रक्रियात्मक कानून एक स्वागतयोग्य कदम है। परन्तु कानून लागू करने वाली एजेंसियों की ओर से तत्परता की कमी या बुनियादी ढांचे के अभाव में अदालतें इस दिशा में कुछ ठोस नहीं कर पा रही हैं।

भारतीय न्याय संहिता की धारा 48 के अन्तर्गत विदेशों में बैठे आतंकवादियों और गैंगस्टरों द्वारा भारत में अपराधों को उकसाने के जुर्म में सजा देने के प्रावधान हैं।

प्लास्टिक प्रदूषण का बढता खतरा

—डॉ. शशांक द्विवेदी—

पिछले दिनों दक्षिण कोरिया के बुसान में एक वैश्विक बैठक प्लास्टिक प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय संधि पर सहमति बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। लेकिन यह बैठक बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। कुल 175 देशों के प्रतिनिधि महत्वपूर्ण मुद्दों, जैसे प्लास्टिक उत्पादन और वित्त पर रोक लगाने, पर सहमति बनाने में विफल रहे। यह अंतर–सरकारी वार्ता समिति (आईएनसी) की पांचवीं बैठक थी, जो 2022 से प्लास्टिक प्रदूषण पर एक कानूनी संधि तैयार कर रही है। एक हफ्ते तक चली बातचीत में प्लास्टिक उत्पादन और हानिकारक रसायनों पर रोक लगाने की मांग और केवल कचरे के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने वाले देशों के बीच गहरे मतभेद दिखे। परिणामस्वरूप, मसौदा अधिकांश चिंताओं को अनसुलझा छोड़कर समाप्त हुआ। सभी देशों ने वार्ता जारी रखने के लिए अगले साल फिर से मिलने पर सहमति जताई। इस दौरान, सन्धि के लिए मसौदे और देशों की स्थिति पर बेहतर समझ विकसित हुई, लेकिन महत्वपूर्ण मुद्दों पर मतभेद अब भी बने हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस के अनुसार, 'हमारी दुनिया प्लास्टिक प्रदूषण में डूब रही है। हर वर्ष, हम 46 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन करते हैं, जिसमें से अधिकांश को जल्दी ही फेंक दिया जाता है।' उन्होंने चेतावनी दी कि वर्ष 2050 तक महासागरों में प्लास्टिक की मात्रा मछलियों से अधिक हो सकती है। इसके अलावा, हमारी रक्तधारा में प्लास्टिक के सूक्ष्म कण स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहे हैं, जिनके बारे में हमने अभी पूरी तरह से समझना शुरू किया है।

हर दिन, कूड़े से भरे लगभग 2,000 ट्रकों के बराबर प्लास्टिक, महासागरों, नदियों और झीलों में फेंक दिया जाता है। यही प्लास्टिक वन्यजीवों एवं मानव स्वास्थ्य के लिए गम्भीर खतरा पैदा कर रहा है। माइक्रोप्लास्टिक के कण, भोजन, पानी, मिट्टी और यहां तक कि मानव अंगों व नवजात शिशुओं के प्लासेंटा तक में पाए गए हैं। वर्ष 2022 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा के प्रस्ताव द्वारा अपनाई गई सन्धि के तहत,

प्लास्टिक के पूरे जीवन चक्र पर ध यान देने के प्रयास किए गए हैं। इनमें एक कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि के जरिए प्लास्टिक के उत्पादन, डिजाइन और निपटान के लिए उचित समाधान तलाश किया जाना शामिल है।

भारत का मत है कि प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने के लिए एक कानूनी उपकरण होना चाहिए। प्लास्टिक के विकल्पों की उपलब्धता, पहुंच, वहनीयता के लिए तकनीक हस्तांतरण, वित्तीय सहायता और क्षमता निर्माण पर भी चर्चा करके एक्शन लिया जाना चाहिए। वर्ष 2022 में केंद्र सरकार ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियम जारी किया था। इसके अनुसार प्लास्टिक की वस्तुओं से होने वाले प्रदूषण की गंभीरता को देखते हुए 1 जुलाई, 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक सामान पर प्रतिबंध लगाया गया। इसके अलावा 30 सितंबर, 2021 से प्लास्टिक कैरी बैग की मोटाई को कम–से–कम 75 माइक्रोन किया गया जो पहले 50 माइक्रोन हुआ करती थी।

दुनिया भर में दैनिक जीवन में एकल प्रयोग वाले प्लास्टिक, बोतलों व अन्य उत्पादों को लेकर जागरूकता का प्रसार किया जाता है। उसकी रि–साइकिलिंग, प्लास्टिक के उचित निपटान व सततः उपयोग के तरीकों सुझाए जा रहे हैं। लेकिन उत्पादन के आरम्भ में, कृषि और उससे संबद्ध क्षेत्रों में, प्लास्टिक के इस्तेमाल की समस्या तेजी से उभरकर सामने आई है। केवल भूमि पर ही नहीं, जलीय कृषि उत्पादन में भी हर स्तर पर प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है, फिर चाहे वो टैंक, जाल, फीड बैग, लाइनर, पाइपिंग, पॉलीस्टाइनिन बक्से, उत्पाद परिवहन या फिर रासायनिक के भंडारण के लिए हों।

एफएओ के अनुमानों के मुताबिक अभी तक यह माना जाता रहा है कि महासागरों में पाए जाने वाला लगभग 80 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा, जलीय कृषि जैसे समुद्री उद्योगों के बजाय भूमि–आधारित स्रोतों से उत्पन्न होता है। अब यह स्पष्ट हो रहा है कि विभिन्न प्रकार के मछली पकड़ने वाले गियर भी समुद्र को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कृषि में इस्तेमाल उत्पादों से होने वाले प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए संग्रह, पुनरुपयोग और रि–साइकिलिंग प्रमुख उपाय हैं। जिन प्लास्टिक वस्तुओं को प्रयोग के बाद एकत्र नहीं किया जा सकता, उन्हें पर्यावरण अनुकूल, बायोडिग्रेडेबल व सुरक्षित विकल्पों से बदला जाना चाहिए। किसी भी समझौते में प्लास्टिक के जीवन चक्र का ध्यान रखना होगा, एकल–इस्तेमाल और कम अवधि की प्लास्टिक की समस्या से निपटना होगा। इसके साथ ही, कचरा प्रबन्धन को मजबूती देते हुए वैकल्पिक सामग्री को बढ़ावा देना होगा। इसके लिए देश के साथ–साथ वैश्विक कानून होने चाहिए, जिससे प्लास्टिक प्रदूषण पर समय रहते लगाम लगाई जा सके।

पिछले दो वर्ष से प्लास्टिक प्रदूषण पर कथनूनी रूप से बाध्यकारी उपाय के लिए अन्तर–सरकारी स्तर पर वार्ता जारी थी, जिसमें भूमि व समुद्री पर्यावरणों का भी ध्यान रखा गया, और उसके बाद बुसान में यह बैठक आयोजित की गई। इसमें भले ही अभी कोई सहमति न बनी हो लेकिन इस बैठक ने भविष्य में संभावनाओं के द्वार तो खोल ही दिए हैं।—लेखक विज्ञान विषयों के जानकार हैं।

दौड़ बालिका वर्ग में शिवांगी, बालक वर्ग में अनमोल, अब्दुल रहे अव्वल

–शिक्षकों के परिश्रम से बच्चे खेल के क्षेत्र में भी नाम कर रहे हैं–महेश शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। संविलियन उच्च प्राथमिक विद्यालय हर्रैया के प्रांगण में आयोजित दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता के पहले दिन शुक्रवार को प्राथमिक स्तर के खेल का आयोजन हुआ। खेल का शुभारंभ मुख्य अतिथि गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल, विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष हर्रैया कौशलेंद्र प्रताप सिंह राजू, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह, मंत्री बालकृष्ण ओझा, कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव, जिला व्यायाम शिक्षक भूपेश सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

अतिथियों का स्वागत खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय आनन्द के नेतृत्व में एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह, संदीप सिंह, उदय प्रताप सिंह, उमेश सिंह, सुनील बौद्ध, खेल प्रभारी सर्वदेव सिंह, शिक्षक नेता बाबूलाल ओझा, रामसागर वर्मा, सन्तोष शुक्ल, राजकुमार तिवारी, रामप्यारे, प्रेम सागर, प्रमोद त्रिपाठी, विवेक कान्त पाण्डेय, सत्यराम वर्मा, अनिल सिंह सहित ब्लॉक के तमाम शिक्षकों ने माल्यार्पण करके, स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र देकर किया। खेल में कबड्डी बालिका वर्ग में दिवाकरपुर न्याय पंचायत और बालक वर्ग में डुहवा न्याय पंचायत विजेता रहा। 50 मीटर दौड़ बालक वर्ग में अनमोल तथा बालिका वर्ग में शिवांगी वर्मा अव्वल रहे। 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में अब्दुल कादिर और बालिका वर्ग में शिवांगी अव्वल रहीं। खो खो बालक वर्ग में हर्रैया घाट न्याय पंचायत की टीम विजेता रही। मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रतिभाएं अमीर या गरीब नहीं होती। शिक्षकों के परिश्रम से बच्चे खेल के क्षेत्र में भी नाम कर रहे हैं। विशिष्ट अतिथि ने बीआरसी परिसर में ओपन जिम बनाने की घोषणा किया। प्रतियोगिता के मीडिया प्रभारी रवीश कुमार मिश्र ने बताया कि शनिवार को उच्च प्राथमिक स्तर का खेल होगा। खेल प्रतियोगिता में अनुदेशक पवन मिश्र, दीपक सिंह, उत्तम वर्मा, जीतेन्द्र, राजकुमार, कपिलदेव, संजीव, बबली, प्रीती व कार्यालय के राकेश श्रीवास्तव, सुनील, ऋषि, राजेश, दिवाकर, जमुना, राकेश, रवि ने सहयोग किया। संचालन धनीष त्रिपाठी और भारती शुक्ला ने किया

इस अवसर पर शिव प्रकाश सिंह, हरेंद्र यादव, नरेन्द्र पाण्डेय, शैलेश सिंह, इश्तियाक अहमद, अरुण शुक्ल, विद्यासागर वर्मा, राजीव शरण, जगदम्बा दूबे, शिव प्रकाश पाण्डेय, राजेंद्र, देवेन्द्र शुक्ल, आनन्द सिंह, अखिलेश सिंह, चिन्मय राय, संजीव सिंह, राकेश सिंह, करुणेश पाण्डेय, सतीश यादव, गुलाम अशरफ, हनुमान दूबे, विजय पाण्डेय, मनोज द्विवेदी, अमरचंद, हरी सिंह, राम नरेंद्र, प्रमोद ओझा, विवेक, आशीष सिंह, हरी जी, प्रशांत सिंह, अशोक वर्मा, राम रक्षा, विश्वजीत, अवनीश ओझा, आदित्य, रमाशंकर, अरुणेंद्र, हनुमान वर्मा, सर्वेश वर्मा, प्रेम कुमार, हनुमत पाण्डेय, राम भवन, संजय, अभिषेक मौर्य, राम बालक, नीलम सिंह, पूनम मिश्र, भारती शुक्ला, मीरा चौधरी, मंजूरानी, श्रेया, ज्योति, सिमरन, ममता, निरुपमा, मंजरी, आकांक्षा, आरती, प्रियंका, सोनिया, रूपम, एकता, प्रतिज्ञा, गीता सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

जुमे की नमाज को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीएम–एसपी ने किया फ्लैग मार्च

संवाददाता–महराजगंज। जुमे की नमाज को लेकर महराजगंज में प्रशासन चौकस रहा। जिले भर में मस्जिदों व खासकर मिश्रित आबादी में फोर्स लगाई गई थी। डीएम अनुनय झा व एसपी सोमेन्द्र मीना ने परतावल सहित मिश्रित आबादी वाले संवेदनशनील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च कर कानून व्यवस्था का जायजा लिया।

संभल घटना के बाद प्रशासन अलर्ट मोड में है। शुक्रवार को जुमे की नमाज को लेकर सुबह से ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। डीएम व एसपी ने फ्लैग मार्च कर लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। संबंधित अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के दिशा–निर्देश दिया। वहीं, जिले के अन्य कस्बों व ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस व प्रशासन की टीम अलर्ट मोड में रही।

एयरपोर्ट विस्तार के लिए बची हुई जमीन के अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू

संवाददाता–बलरामपुर। श्रावस्ती एयरपोर्ट के विस्तार के लिए जिले में बची हुई जमीन के अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए बलरामपुर जिले के बगाही गांव में 0.24 हेक्टेयर जमीन खरीदी जाएगी। इसको लेकर प्रशासन ने गजट का प्रकाशन किया है। इस पर भूमि स्वामियों से आपत्तियां मांगी गई हैं। एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रदीप कुमार ने बताया कि बलरामपुर व श्रावस्ती सीमा पर हवाई अड्डा का निर्माण किया गया था। एयरपोर्ट के रनवे के लिए बलरामपुर में भूमि का अधिग्रहण होना था। 350 किसानों से 40.5 हेक्टेयर के सापेक्ष 40.26 हेक्टेयर भूमि की खरीद हो चुकी है। अभी 0.24 हेक्टेयर भूमि का बैनामा नहीं हो सका है। सिटी मजिस्ट्रेट गोंडाध्भूमि अध्यापित अधिकारी कॉमन एयरपोर्ट विजय शर्मा ने 19 नवंबर को कलेक्ट्रेट में पहुंचकर भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रक्रिया की जानकारी ली थी। वार्ता के बाद भूमि अधिग्रहण के लिए गजट का प्रकाशन करा दिया गया है। भूमि स्वामियों से आपत्तियां लेकर करीब दो माह में खरीद की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने बताया कि चौत्र नवरात्र के पहले दिन से कॉमन एयरपोर्ट के लिए भूमि का बैनामा कराया जा रहा है। शासन से भूमि का बैनामा कराने के लिए 47.62 करोड़ रुपये आवंटित किया गया था।

कॉमन एयरपोर्ट विस्तारीकरण के लिए सदर ब्लॉक के ग्राम बगाही व एलहवा में भूमि चिन्हित की गई थी। भूमि अध्यापित अधिकारी ने बची हुई जमीन के अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भूमि का बैनामा होने के बाद एयरपोर्ट का विस्तार शुरू हो जाएगा।

श्रीराम नगरी में गुरु तेग बहादुर का मनाया गया 349वां बलिदान दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या । मानवता के महान दूत एवं बलिदानियों के सिरमौर नवम सिख गुरु तेगबहादुर का 349 वां बलिदान दिवस ऐतिहासिक गुरुद्वारा ब्रह्मकुंड अयोध्या में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस मौके पर गुरु के अप्रतिम अवदान का विमर्श छिड़ा।मुख्यग्रंथी ज्ञानी गुरुजीत सिंह ने बताया कि गुरु तेग बहादुर साहब तिलक और जानेऊ के लिए बलिदान दिए थे आज उनका बलिदान दिवस प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या स्थित ऐतिहासिक ब्रह्मकुंड गुरुद्वारा में मनाया गया है जिसमें अयोध्या के संत महंत भी सम्मिलित हुए और गुरु तेगबहादुर के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की और भाव रूपी अनुराग व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि जब देश पर मुगलों का आक्रमण हुआ करता था तब तब गुरु जी रक्षा के लिए तलवार उठाई आज मुगलों द्वारा तोड़े गए श्री राम मंदिर पर भव्य मंदिर का निर्माण हो गया है, जिससे पूरा समाज खुशी में झूम रहा है 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कि हम सभी भी मंदिर निर्माण से गदगद हैं। इस अवसर पर दर्जनों संत महंत उपस्थित होकर के गुरु तेग बहादुर के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाले।इससे पूर्व गुरुग्रंथ साहब के 101 अखंड पाठ की लड़ी का समापन किया गया। कार्यक्रम का समापन लंगर से हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, हरमिंदर सिंह, भाई प्रीतम सिंह, भाई महेंद्र सिंह सैकड़ो लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे।बलिदान दिवस के कार्यक्रम को यादगार बनाने वालों में गुरुद्वारा प्रबंधन से जुड़े चरनजीत सिंह चन्नी आदि प्रमुख रहे। वहीं महंत बलजीत सिंह ने बताया कि गुरु जी के बलिदान दिवस पर संगत का आयोजन किया गया जिसमें अयोध्या, लखनऊ, नवाबगंज, फैजाबाद, गोंडा, सुल्तानपुर, अकबरपुर सहित अन्य जिलों के संगत के लोग अयोध्या पहुंचे और गुरु जी को नमन किया। उन्होंने बताया कि गुरु मानवता के उन्नायक रहे हैं और नवम गुरु के बलिदान से इस दिशा में गुरुओं के प्रयास का चरम परिलक्षित है। उन्होंने कहा, गुरु का स्पष्ट सूत्र था कि न जुल्म करेंगे और न जुल्म सहेंगे। गुरुओं का संघर्ष शौर्य–शहादत की मिसाल से परिपूर्ण है और सदियों तक यह प्रतीत होता रहा कि गुरु और उनके अनुयायी जिस सनातन धारा की अस्मिता के लिए सर्वस्व न्योछावर करते रहे, उसके हिस्से संघर्ष ही संघर्ष है, पर आज वे मूल्य और आदर्श प्रतिष्ठापित हो रहे हैं, जिनकी अखंडता–अक्षुण्णता के लिए गुरुओं ने जान की बाजी लगाने की परंपरा विकसित की।

कूट रचित दस्तावेज के सहारे नौकरी कर रहे तीन शिक्षक किए गए बर्खास्त

संवाददाता–श्रावस्ती। फर्जी अभिलेख के सहारे बेसिक शिक्षा विभाग में नौकरी कर रहे एक प्रधान शिक्षक व दो सहायक शिक्षकों को बृहस्पतिवार देर शाम बीएसए ने बर्खास्त कर दिया। इसके साथ ही जिले में बर्खास्त होने वाले शिक्षकों की संख्या 47 पहुंच चुकी है। जिनके विरुद्ध एफआईआर कराने व उनसे रिकवरी करने की तैयारी की जा रही है।

बेसिक शिक्षा विभाग में दूसरे के अभिलेख के सहारे शिक्षक बनकर जिले में तैनात तीन शिक्षकों को जांच में खुलासा के बाद बृहस्पतिवार देर शाम बीएसए अजय कुमार गुप्ता ने बर्खास्त कर दिया है। बर्खास्त होने वालों में गिलौला विकास क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय सिंहनजोत दिकौली के सहायक अध्यापक भिनगा कोतवाली के ऐलहवा के मजरा धोबियनपुरवा निवासी अरुण कुमार पुत्र रामसेवक जो मौजूदा समय हरिहरपुररानी के प्राथमिक विद्यालय शाहपुर कला में प्रधान शिक्षक का नाम शामिल है।

इसके साथ ही हरिहरपुररानी विकास क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय नवीनगर में तैनात सहायक शिक्षक व एटा जिला के थाना व तहसील एटा क्षेत्र के ग्राम श्यामनगर (अहाता भन्नामल) निवासी सुधीर कुमार पुत्र सुखपाल सिंह तथा जमुनहा विकास क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय नव्वापुरवा के सहायक शिक्षक प्रशांत वर्मा पुत्र दिनेश कुमार निवासी सिरसागंज थाना व तहसील शिकोहाबाद जिला फिरोजाबाद का नाम शामिल है।

इन्हें बीएस की ओर से कारण बताओ नोटिस जारी की गया था। लेकिन, इन शिक्षकों ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। इसके बाद बृहस्पतिवार देर शाम यह कार्रवाई की गई है। विदित हो कि इसके पूर्व जिले में विगत माह भी पांच शिक्षकों को बर्खास्त किया गया था। इसके साथ ही जिले में बर्खास्त होने कुल शिक्षकों की संख्या अब 47 पहुंच गई है।

बर्खास्त शिक्षकों पर एफआईआर कराने के साथ ही उनसे अब तक प्राप्त किए वेतन की रिकवरी भी ही जाएगी। शेष शिक्षकों की जांच अभी जारी है। जैसे जैसे जांच पूरी होगी कार्रवाई की जाएगी। –अजय कुमार गुप्ता, बीएसए

बंदियों ने योग से सीखा सेहतमंद रहने का तरीका

संवाददाता–बलरामपुर। बंदियों को सेहतमंद रखने के लिए जिला कारागार में योग शिविर का आयोजन किया गया। योग वेलनेस सेंटर की तरफ से योगाभ्यास कराकर बंदियों को योग के लाभ बताए गए। कारापाल शैलेश कुमार सिंह सोनकर ने योग कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि योग का जीवन में बड़ा महत्व है। नियमित योगाभ्यास करके शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहा जा सकता है। जिला कारागार में 420 बंदियों के रहने की क्षमता है। इसके सापेक्ष मौजूदा समय में 374 पुरुष व महिला बंदी निरुद्ध हैं। सभी बंदियों को योग करने के तरीके सिखाए गए। जेल अधीक्षक राम कुबेर सिंह ने बंदियों को नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया। योग वेलनेस सेंटर के डॉ. हंसराज वर्मा ने पुरूष एवं सहायिका शिखारानी ने महिला बंदियों को योगाभ्यास कराया। ताण, वृक्ष, शशक व मकर आसन के साथ बंदियों को प्राणायाम, अनुलोम–विलोम एवं कपालभाती का अभ्यास कराते हुए इनका लाभ बताया गया।

पढ़ाई नहीं होने की छात्रा ने की शिकायत तो संचालक ने कोचिंग से बाहर निकाला

संवाददाता–देवरिया। शहर के राघव नगर मोहल्ला स्थित एक कोचिंग सेंटर में पढ़ाई नहीं होने की शिकायत एक छात्रा ने की तो संचालक ने उसे कोचिंग से निकाल दिया। पीड़िता ने इसका प्रार्थना पत्र डीएम को दिया। इसके बाद मामला कोतवाली पहुंचा जहां पंचायत के बाद दोनों पक्षों में समझौता हो गया।

सदर कोतवाली क्षेत्र के मुसंफ कालोनी मोहल्ला की रहने वाली एक युवती जेईई की तैयारी करती है। छात्रा के अनुसार उसने शहर के राघव नगर स्थित एक कोचिंग सेंटर में अगस्त 2024 में एडमिशन ली। एडमिशन के समय कोचिंग ने एक वर्ष के लिए 45 हजार रुपये शुल्क की बात कहा गया। छात्रा को कोचिंग संस्थान ने शुल्क किश्त में जमा करने की छूट दिया। इसके बाद छात्रा ने 15 हजार रुपये जमा कर उसने एडमिशन ले ली। गुरुवार को छात्रा ने डीएम को पत्र देकर आरोप लगाया कि वह अभी तक 29900 रुपया जमा कर चुकी है। 2 दिसम्बर को संचालक से कुछ विषय की क्लास सही नहीं चलने की बात कहने गई। इस पर संचालक भड़क गए और शुल्क बकाया की बात करते हुए उसे वहां से भगा दिया। वह बोले जब तक पूरा शुल्क जमा नहीं होगा तुम्हारा क्लास नहीं चलेगा। डीएम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाल को इसकी जांच करने का निर्देश दिया।

प्रधानाचार्य व प्रबंधक पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज

संवाददाता–देवरिया। कोर्ट के आदेश पर प्रधानाचार्य व प्रबंधक समेत चार के विरुद्ध खामपार की पुलिस ने मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई पुलिस ने भाटपाररानी थाना क्षेत्र के पकड़ी बाबू निवासी रितुल विशेन पुत्र सुशील शाही के वाद पर की है। रितुल विशेन ने न्यायालय में वाद दाखिल कर बताया है कि 28 अक्टूबर को वह खामपार गए थे। दिन में करीब 2 बजे खामपार थाना क्षेत्र के ग्राम केहुनिया के पास पहुंचे थे कि कार से दिनेश कुमार सिंह व अभिषेक शाही समेत दो अज्ञात व्यक्तियों ने मोटरसाइकिल के सामने कार खड़ा कर के उन्हें रोक लिया। गाली गुप्ता देते हुए पूर्व में की गई शिकायत को वापस लेने का दबाव बनाने लगे। मना करने पर आरोपियों ने मारपीट कर घायल कर दिया। इसकी शिकायत उन्होंने खामपार थाने में की। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई तो उन्होंने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय के आदेश पर खामपार की पुलिस ने जौनपुर जिला के नकरेहर निवासी दिनेश कुमार सिंह पुत्र राजेंद्र प्रताप सिंह व भाटपाररानी थाना क्षेत्र के पकड़ी बाबू निवासी अभिषेक शाही और दो अज्ञात के खिलाफ मारपीट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। दिनेश सिंह पूर्वांचल शिक्षण संस्थान पकड़ी बाबू के प्रधानाचार्य हैं तो वहीं अभिषेक शाही इसी विद्यालय के प्रबंधक है। इन लोगों के खिलाफ रितुल विशेन ने पूर्वांचल शिक्षण संस्थान जूनियर हाईस्कूल पकड़ी बाबू में षड्यंत्र करके नौकरी पाने व देने की शिकायत की है।

विवाह महोत्सव पर पूर्व आचार्य बाबा रामसुंदर दास को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। प्रसिद्ध पीठ सुंदर भवन, रामकोट के पूर्वाचार्य बाबा रामसुंदर दास महाराज को संतों ने पुण्यतिथि पर निष्ठापूर्वक याद किया। मंदिर में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई, जिसमें रामनगरी के विशिष्ट संत–महंतों ने साकेतवासी महंत के चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। साथ ही उनके कृतित्व–व्यक्तित्व का बखान किया। इस अवसर पर सुंदर भवन के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत रामकरन दास ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि पर मठ के पूर्वाचार्य बाबा रामसुंदर दास महाराज की पुण्यतिथि मनाई गई। पुण्यतिथि पर संतों ने उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया। साकेतवासी महंत अप्रतिम प्रतिभा के धनी संत रहे। उन्होंने सेवा को ही अपना धर्म माना और उसी को अंगीकार किया। अपने शिष्य–अनुयायियों को भी सेवा धर्म के लिए प्रेरित किया। साथ ही सेवा का पाठ पढ़ाया। आजीवन सेवा ही परमोधर्म के मार्ग पर चलते रहे। उसी का अनुसरण किया। उनका मानना था कि सेवा ही परम धर्म है। इससे बढ़कर और कोई दूसरा धर्म नही है। वह गौ एवं संत सेवी रहे। रामनगरी में विशाल आश्रम का कार्यभार संभाला। उसका कुशल संचालन कर सर्वांगीण विकास किया। जीवन भर मठ की उत्तरोत्तर समृद्धि में लगे रहे। जहां गौ, संत, विद्यार्थी, आगंतुक आदि सेवा सुचार रूप से चल रही है। इससे पहले मंदिर में विराजमान भगवान श्रीराम जानकी का सुबह विशेष पूजन–अर्चन, भोग, आरती किया गया। उसके बाद संतों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। महंत रामकरन दास महाराज व पुनीत दास आए हुए संत–महंतों का स्वागत–सत्कार कर भेंट–विदाई दी। पुण्यतिथि पर जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य, महंत बलराम दास हनुमानगढ़ी, डाड़िया महंत गिरीश दास, लालसाहेब दरबार के महंत रामनरेश शरण, श्रीरामाश्रम के महंत जयराम दास, छत्तीसगढ़ आश्रम के महंत रामेश्वर दास, महंत रामनारायण दास, महेंद्र त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

देवर की शादी में भाभी ने काटा बवाल वो मेरा है, किसी और का नहीं होने दूंगी

संवाददाता–महराजगंज। देवर की शादी में भाभी ने जमकर बवाल काटा है। देवर की बारात निकलने से ठीक पहले भाभी पुलिस के साथ दुल्हन के घर पहुंच गई। भाभी ने वहां साफ कह दिया कि वो मेरा है, किसी और का नहीं होने दूंगी। भाभी की बातें सुनकर लड़की वालों के पैरों तले जमीन खिसक गई। भाभी का रुख देख लड़की वालों ने शादी नहीं करने का फैसला सुना दिया। इसकी भनक दूल्हे तक पहुंची तो उसने भी वारात फिलहाल रोक दी है। दूल्हा गोरखपुर के शाहपुर का रहने वाला है। बताया जाता है कि गोरखपुर के शाहपुर इलाके में रहने वाले युवक की अपनी ही विधवा भाभी के साथ अवैध संबंध बन गए थे। दोनों पति–पत्नी की तरह ही रहते थे। इसी बीच देवर की शादी महाराजगंज के नौतनवा इलाके की एक लड़की से तय हो गई। इसका विरोध भाभी करने लगी। भाभी नहीं चाहती थी कि देवर की कहीं और शादी हो। देवर ने भाभी को काफी समझाया लेकिन वह किसी कीमत पर मानने को तैयार नहीं हुई। इसके बाद तो देवर भी अड़ गया और भाभी के विरोध के बाद भी शादी की तारीख तय हो गई। जैसे–जैसे बारात का दिन नजदीक आता गया भाभी देवर में झगड़ा भी बढ़ने लगा। इसी बीच बारात महाराजगंज के नौतनवा जाने के लिए तैयार हुई तो भाभी शाहपुर थाने पहुंच गई। वहां अपने और देवर के संबंधों के बारे में बताया। देवर के साथ अपनी शादी का दावा करते हुए उसकी शादी रुकवाने की गुहार लगाई। भाभी की गुहार पर शाहपुर पुलिस एक्टिव हो गई। मामला लड़की वालों के इलाके नौतनवा थाने पहुंच गया। शाहपुर पुलिस ने नौतनवा पुलिस से संपर्क किया। नौतनवा थाने से पुलिस लेकर भाभी लड़की वालों के घर पहुंच गई और अपने अरमान सभी के सामने खोलकर रख दिए। दावा किया कि जिस दूल्हे की बारात आने वाली है उससे मेरी शादी हो चुकी है। अब वो मेरा है, उसे मैं किसी और का नहीं होने दूंगी। लड़की वालों ने भी दूल्हे को फोन कर उसकी भाभी के आने की बात बताई तो वह सन्न रह गया। दूल्हे से साफ कह दिया गया कि बारात लेकर न आए।

भाभी ने लड़की वालों के घर पहुंचकर कहा कि जिस शख्स से यह शादी होने वाली है वह मेरा देवर है। पति की मौत के बाद देवर से मेरी शादी हो चुकी है। शादी के बाद दहेज उत्पीड़न का केस भी चल रहा है। शाहपुर थाने में केस भी दर्ज है। साथ ही कहा कि वह मेरा है, किसी और का नहीं होने दूंगी। दूल्हे की असलियत जानने के बाद लड़की पक्ष ने फोन कर दूल्हे को बारात लाने से मना कर दिया। कहा कि हम अपनी लड़की का जीवन गर्त में नहीं डाल सकते। गोरखपुर के शाहपुर निवासी जिस लड़के की बारात नौतनवा आने वाली थी उसकी उम्र 50 साल है। जबकि जिस लड़की से शादी होने वाली थी वह केवल 25 साल की है। दूल्हे की भाभी के आने से पहले पूरे घर में रौनक छाई हुई थी। काफी रिश्तेदार घर पर जुटे थे। शादी टूटने से भले ही घर में अब मायूसी है लेकिन इस बात की भी राहत है कि सही समय पर दूल्हे की असलियत पता चल गई।

घोड़ी पर बिठाकर निकाली बेटी की बिंदौरी, नगर में खूब हो रही चर्चाएं

संवाददाता–महराजगंज। राजस्थान सहित देश के कई हिस्सों में शादियों के दौरान बिंदौरी की रस्में निभाई जाती हैं। इस रस्म में लड़का घोड़ी पर बैठता है और किसी एक स्थान से नगर या गांव के विभिन्न मार्गों से होकर उसकी बिंदौरी निकली जाती है। यही रस्म महराजगंज के सिसवा नगर में मारवाड़ी समाज ने निभाई। इस बिंदौरी की नगर में खूब चर्चाएं हो रही हैं। सिसवा कस्बे में मारवाड़ी समाज ने इस पहल की शुरुआत की है। सिसवा नगर के चित्रगुप्त नगर वार्ड निवासी सज्जन अग्रवाल ने अपनी बेटी को घोड़ी पर बिठाकर बिंदौरी निकाली। उन्होंने समाज में बेटा–बेटी एक समान का संदेश देकर घोड़ी पर बिटिया निधि अग्रवाल को बैठाकर नगर भ्रमण कराया। शादी–विवाह में शिरकत करने पहुंचे रिश्तेदारों ने भी बिटिया की बिंदौरी में डीजे व बैंडबाजे की धुन पर नाचते–गाते उत्साह के साथ बिंदौरी निकाली। सिसवा कस्बे के कपड़ा व्यवसायी बाबूलाल अग्रवाल ने बताया कि श्रीगंगानगर जिले को 1994 में विभाजित कर हनुमानजी और फिर 2023 में बांटकर अनूपगढ़ जिला बनाया गया था। भौगोलिक रूप से पंजाब से सटा यह इलाका भले ही तीन जिलों में बंटा है, मगर यहां लोगों की सोच एक जैसी है। विवाह के समय घोड़ी पर बैठना केवल पुरुषों का ही अधिकार माना जाता रहा है और अब तक किसी भी समाज ने बेटियों को घोड़ी चढ़ने का हक नहीं दिया है। लेकिन अब वहां के इलाके में दलित हों या फिर सवर्ण, सभी बिरादरी के लोग अपने बेटों के साथ–साथ बेटियों को भी घोड़ी पर बैठा कर बिंदौरी निकालते हैं।

समाज के लोगों का कहना है कि आज के इस युग में बेटियां बेटों से किसी भी कार्य में पीछे नहीं हैं। हमें इस भेदभाव के रिश्ते को हमेशा के लिए समाप्त कर देना है, क्योंकि म्हारी छोरियां किसी छोरों से कम नहीं हैं। इस कार्यक्रम में मारवाड़ी समाज के महेंद्र अग्रवाल, कपिल सुरेका, शिव अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, डॉ. विकास अग्रवाल, सोनाली भालोटिया, मोहित अग्रवाल, विशाखा अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, प्रगति शर्मा, सीमा सोंथालिया, उड़ीसा मुखर्जी, काजल जायसवाल, राजकुमार जायसवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आज से बदलेगा मौसम 7, 8, 9, दिसंबर के लिए जारी हुआ अलर्ट

संवाददाता–गोण्डा। मौसम विभाग ने कल से मौसम में बड़े बदलाव होने के संकेत दिए हैं। आईएमडी ने पूर्वी और पश्चिमी दोनों हिस्सों में घना कोहरा पड़ने के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। तराई क्षेत्र के जिलों में इसका व्यापक असर रहेगा। कुछ स्थानों पर विजिबिलिटी 50 मीटर तक हो सकती है। मौसम विभाग ने खर मौसम एक बार फिर बदलने वाला है। मौसम विभाग लखनऊ केंद्र ने 7, 8 और 9 दिसंबर को पूरे उत्तर प्रदेश में घना कोहरा पड़ने के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। कोहरा के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। शुक्रवार को दिन में चमकीली धूप के साथ तेज पछुआ हवाएं चलती रही। हवाओं के तेज चलने के कारण धूप कोई खास असर नहीं डाल पाई। सूर्यास्त होते ही ठिठुरन बढ़ गई है। अगले तीन दिनों में तापमान में 1 से 2 डिग्री के गिरावट होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, घने कोहरे की स्थिति देर रात और सुबह के समय बनी रहेगी। कोहरे की वजह से दृश्यता 50 मीटर से भी

कम हो सकती है। यह स्थिति वाहन चालकों और यात्रियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकती है। ऐसे में यात्रा करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। तापमान की बात करें तो यूपी में गुरुवार को अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग ने गोंडा, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती, अयोध्या, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, बस्ती, देवरिया गोरखपुर तथा तराई क्षेत्र के जिलों में जबरदस्त कोहरा पड़ने की संभावना है।

शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस से लेकर 14.6 डिग्री सेल्सियस तक रिकॉर्ड किया गया। जबकि अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जबकि गोंडा में न्यूनतम तापमान 13.6 डिग्री सेल्सियस तथा 26.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड, बहराइच में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। श्रावस्ती में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि अधिकतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

पीसीएस अधिकारी के घर के पास फायरिंग, गोवंश उठा ले गए तस्कर

संवाददाता–गोरखपुर। जिले के शाहपुर थानाक्षेत्र में गुरुवार की रात पशु तस्करों ने पीसीएस अफसर के घर के पास फायरिंग कर दहशत फैला दी। गोवंश उठाने गए तस्करों को मोहल्ले के लोगों ने टोका तो उन्होंने पथराव किया। इस घटना से क्षेत्र में काफी दहशत है। तस्कर गोवंश लेकर फरार हो गए। इस घटना की सूचना पुलिस को दी गई है। मामले की जांच की जा रही है।

घटना गुरुवार की रात लगभग सवा 11 बजे शाहपुर काली मंदिर वाली गली की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वहां एक पीसीएस अधिकारी का नया मकान बना है। शुक्रवार को उसी उपलक्ष्य में उनके यहां रामायण का कार्यक्रम रखा गया है। परिवार के लोग रात में मकान की सफाई में जुटे थे। उसी मकान के आसपास पशु तस्करों ने फायरिंग की और गोवंश लेकर भाग गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। पशु तस्कर रात में काली मंदिर गली में पहुंचे थे। पिकप से आए लगभग चार तस्करों ने वहां से गोवंश को उठाना शुरू कर दिया। पड़ोस के लोगों ने पूछा कहां से आए हो तो उन्होंने खुद को लोकल बताया। लेकिन जब यह पूछा कि कहां ले जा रहे हो तो पिस्टल निकाल ली। तस्करों ने धमकी देते हुए कहा कि अंदर भाग जाओ। घर की महिलाओं ने उन्हें अंदर खींच लिया। उसके बाद हवाई फायरिंग व पत्थरबाजी करते हुए वे फरार हो गए।

कुछ साल पहले शाहपुर क्षेत्र में ही तस्करों ने चौकी इंचार्ज व पुलिस कर्मियों पर हमला कर दिया था। गली में सामने दिखे दरोगा की बाइक तोड़ दी थी। दरोगा ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई थी। गुलरिहा थाना के पास एक व्यक्ति ने टोका तो उसकी गाड़ी तोड़ दी थी। बीच–बीच में पुलिस इस मामले को लेकर अभियान चलाती है तो इस तरह की घटनाओं में कमी आती है। पशु तस्करी पूरी तरह से रुक नहीं रही है।

7 दिसम्बर से होगी निशुल्क खाद्यान्न का वितरण

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। सात दिसंबर से 25 दिसंबर के बीच खाद्यान्न वितरण की तिथि निर्धारित की गई हैं जिसमें खाद्यान्न वितरण की अंतिम तिथि 25 दिसंबर तक ही राशन कार्ड धारकों को खाद्यान्न वितरण किया जाएगा। जनपद के तीन लाख 64 हजार 481 पात्र गृहस्थी एवं अंत्योदय योजना के 62 हजार पांच सौ 88 कार्ड धारकों को शनिवार से खाद्यान्न का वितरण करने की तिथि शासन ने घोषित कर दिया है। इस दौरान 427039 कार्डो के 18 लाख 82 हजार 801 लोग निशुल्क लाभान्वित होंगे।

जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि जिले के सभी कोटेदारों को निर्देशित किया गया है कि अंत्योदय योजना के कार्ड धारकों को प्रति कार्ड 17 किग्रा गेहूं और 18 किग्रा चावल और पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को प्रति यूनिट दो किलो तीन सौ ग्राम गेहूं और दो किलो सात सौ ग्राम चावल का वितरण किया जाएगा। अन्त्योदय कार्डधारकों को त्रैमास अक्टूबर, नवम्बर व दिसम्बर का प्रति कार्ड तीन किलो चीनी का वितरण भी किया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश मिश्रा ने बताया कि ई केवाईसी भी राशन कार्ड धारकों का करना है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। वरिष्ठ पूर्ति निरीक्षक विनोद कुमार यादव ने बताया कि उक्त वितरण दिवसों में उचित दर की दुकानें प्रातः छह बजे से रात्रि नौ बजे तक खुली रहेंगी। किसी भी दुकानदारों को किसी प्रकार समस्याएं आए तो तत्काल दूरभाष पर वार्ता कर निराकरण कराएं। जिन राशन कार्ड धारक या यूनिट केवाईसी नहीं करते हैं केवाईसी न होने की दशा में राशन कार्ड से नाम कट जाएगा।

बिजली बकाएदारों के लिए शुरू होगी समाधान योजना

संवाददाता–अयोध्या। बिजली बकाएदारों के लिए 15 जनवरी से एकमुश्त समाधान योजना शुरू होगी। अयोध्या में मिल्कीपुर के विद्युत उपभोक्ताओं के बिजली बकाएदारों के लिए एकमुश्त समाधान योजना आ गई है। तीन चरणों में चलने वाली योजना की शुरुआत 15 जनवरी से होगी, जिसके तहत बिजली के बकाएदार बकाए का 30 प्रतिशत जमा करके योजना का लाभ उठा सकते हैं।

अधिशासी अभियंता विद्युत अमित कुमार सिंह ने बताया कि प्रथम चरण 15 दिसंबर से 31 दिसंबर तक एकमुश्त भुगतान करके शत–प्रतिशत, जबकि किश्तों में भुगतान करने पर 75 प्रतिशत बकाया अधिभार में छूट पा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि घरेलू उपभोक्ता सितंबर माह तक मूल बकाया अथवा पांच हजार रुपए तक एकमुश्त में बकाया अधिभार में शत–प्रतिशत व 10 किश्तों में बकाया अधिभार पर 75 प्रतिशत, पांच हजार से अधिक के बकाएदार एकमुश्त भुगतान पर अधिभार का 70 प्रतिशत व 10 किश्तों में भुगतान करने पर अधिभार में 60 प्रतिशत का लाभ उठा सकते हैं।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद मोहदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0–286/2017
श्रीराम
बनाम
दयाराम आदि
2/1 सीताराम पुत्र टीमल 2/2 तीजा पुत्री टीमल साकिनान मधुकरपुर तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 23–12–2024

हरगाह मुद्दई मजकूरुसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 23 माह 12 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 06 माह 12 सन 2024 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
निगरानी सं0–726
अदालत– श्रीमान उप संचालक अधिकारी चकबन्दी मोहदय बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती दर्शना
बनाम
श्रीमती वाकाली देवी आदि
श्रीमती ऊषा देवी कथित पत्नी स्व0 लवकुश साकिन ऊण्डा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 11–12–2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 11 महीना 12 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 04 माह 12 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
सिविल प्रकीर्ण अपील सं0 37/2024
अदालत– श्रीमान प्रथम अति0 जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
परमात्मा
बनाम
जय प्रकाश आदि
1.जय प्रकाश पुत्र रामकुमार ग्राम कबरा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील बस्ती जनपद बस्ती
2. रामशंकर पुत्र विश्राम 3. राजाराम पुत्र विश्राम ग्राम कबरा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील बस्ती जनपद बस्ती
–रेस्पान्डेन्टगण
तारीख पेशी 20–12–2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 20 महीना 12 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–23/2014
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) मोहदय बस्ती जिला–बस्ती
दर्शन आदि
बनाम
रामचन्द्र आदि
4/1 श्रीमती सुभावती देवी उर्फ शोभा देवी आयु लगभग 35 वर्ष पत्नी रमेश 4/2 पंकज कुमार उम्र लगभग 15 वर्ष 4/3 सौरभ कुमार उर्फ अंकित आयु लगभग 12 वर्ष नाबालिगान पुत्रगण रमेश वबलायत माता हकीकी श्रीमती सुभावती देवी उर्फ शोभा देवी निवासीगण ग्राम ढढिया तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती
तारीख पेशी 08–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

चार निजी बैंकों के डीजी को कारण बताओ नोटिस जारी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्य विकास अधिकारी संजय कुमार मीना ने बैठक में उपस्थित न होने पर एचडीएफसी बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, इंडसइंड बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर(डीसी) को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने डीसी और विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बैठक में दिशा–निर्देशों की पूरी प्रगति रिपोर्ट के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करें। मुख्य विकास अधिकारी गुरुवार को विकास भवन के सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) एवं जिला सलाहकार समिति (डीसीसी) की त्रैमासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) मनोज कुमार श्रीवास्तव ने एजेंडावार विस्तृत जानकारी दी। बताया कि जन सुरक्षा योजना के लिए सैचुरेशन ड्राइव 15 अक्तूबर से 15 जनवरी तक चल रहा है। इसके अंतर्गत सभी ब्लॉक के सभी ग्राम पंचायतों में बैंक की शाखा द्वारा विशेष कैंप लगाकर इस योजना से वंचित लोगों को आच्छादित किया जा रहा है। ऋण जमा अनुपात (सीडी रेशियो) की समीक्षा करते हुए सीडीओ ने अपेक्षित प्रगति न होने पर नाराजगी व्यक्त की। कहा कि दिसंबर के अंत तक लक्ष्य के अनुरूप प्राप्ति कर पूरी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना, स्वयं सहायता समूहों को बैंक से जोड़े जाने, पीएम स्वनिधि योजना, एनिमल हसबेंडरी एवं डेयरी केसीसी की स्वीकृति, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र में बैंकों द्वारा किए गए कार्य, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड और प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा की।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
सिविल प्रकीर्णवाद सं0 151/2024
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
भूपति किशोर (मृतक)
बनाम
बरसाती (मृतक)
4. मो0 इस्माइल उम्र 38 साल पुत्र बरसती साकिन रतास उर्फ कप्तानगंज तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 18–12–2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 18 महीना 12 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–58/2020
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) मोहदय बस्ती जिला–बस्ती
रामबली आदि
बनाम
प्रेमचन्द्र आदि
1. प्रेमचन्द्र उम्र 40 वर्ष पुत्र राममूरत निवासी ग्राम भरगवां तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. सीताराम उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र राम जियावन साकिन भरगवां तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती –प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 18–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

झरवा में सड़क और नाली निर्माण के लिए नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा

संवाददाता–गोरखपुर। वार्ड संख्या 51 देवी प्रसाद नगर झरवा के स्थानीय नागरिकों ने शुक्रवार को नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल से उनके कार्यालय में मुलाकात की। नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंप कर वार्ड संख्या 51 देवी प्रसाद नगर के झरवा में सड़क और नाली निर्माण के लिए गुहार लगाई है। नागरिकों ने कहा कि पहले भी कई बार लिखित प्रार्थना पत्र दिया गया लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ। नगर आयुक्त ने स्थानीय नागरिकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराएंगे।

ज्ञापन देने पहुंचे नागरिकों ने नगर आयुक्त को बताया कि वार्ड संख्या 51 के झरवा में सुग्रीव प्रसाद मिश्र के घर से यशपाल राय, नरेंद्र चंद्र शर्मा, गिरीश ओझा के मकान से होते हुए मनीष शुक्ला के मकान तक 300 मीटर लम्बी कच्ची सड़क है। इस सड़क में न तो जलनिकासी का इंतजाम है न ही सड़क बनी है। लिहाजा सड़क से जुड़े लोगों को कीचड़ और गंदे पानी से होकर गुजरना होता है। इसके बुजुर्गों और स्कूल जाने वाले बच्चों को काफी दिक्कत होती है। सड़क का निर्माण न होने से स्ट्रीट लाइट भी नहीं लगाई गई है। ज्ञापन सौंपने वालों में पार्षद प्रतिनिधि भोला निषाद, यशपाल राय, मनीष शुक्ला, रमेश राय, राजेंद्र मौर्य, अंगद यादव, जगदीश यादव, सुग्रीव, संतोष साहनी, अमित राय,सुग्रीम मिश्रा, अंगद, राजेश पाठक, राजेंद्र उपाध्याय, गिरीश चंद्र ओझा, उपेंद्र राय समेत अन्य उपस्थित रहे। ज्ञापन सौंपने के बाद स्थानीय नागरिकों ने कहा कि उन्हें नगर आयुक्त ने आश्वस्त किया है कि प्राथमिकता के आधार पर सड़क और नाली का निर्माण करा स्ट्रीट लाइटें भी लगाई जाएंगी।

बस्ती विकास प्राधिकरण

पत्रांक–1994/ ब0वि0प्रा0बस्ती /2024–25 दिनांक–06.12.2024

सार्वजनिक सूचना

कृपया सत्या मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल डायरेक्टर डॉ० हनुमान सिंह पता–महरीपुर कलवारी रोड जनपद बस्ती द्वारा गाटा संख्या–597क में मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल निर्माण हेतु शमन मानचित्र सख्या–87/2021–22 (पुनरीक्षित) दिनांक 04.10.2021 बस्ती विकास प्राधिकरण बस्ती कार्यालय स्वीकृति हेतु जमा किया गया है। डॉ० हनुमान सिंह द्वारा उक्त भूमि पर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।

उक्त स्थल का भू–उपयोग बस्ती महायोजना–2031 (भाग–क) के अन्तर्गत 45 मी० महायोजना मार्ग के किनारे 30मी० हरित पट्टिका के उपरान्त हाइवे फैरोलिटी जोन के अन्तर्गत आता है। बस्ती महायोजना–2031 (भाग–क) में संलग्न भू–उपयोग जोन्स में विभिन्न क्रियाओं की अनुमन्यता से सम्बन्धित जोन मैट्रिक्स में 5.21 अस्पताल/ट्रामा सेन्टर (सार्वजनिक एवं अर्द्ध सार्वजनिक सुविधाए) हाइवे फैसेलिटी जोन भू–उपयोग के अन्तर्गत सामान्यतः अनुमन्य है। बस्ती महायोजना–2031 (भाग–क) के अध्याय 11 (जोनिग नियम) के प्रस्तर 11.8.1 **'प्रमुख भू–उपयोग जोन के अन्तर्गत पूर्व विकसित योजनाओं/क्षेत्रों में मूल उपयोग से इतर क्रिया/उपयोग (भले ही जोनिग रेगुलेशन्स के अनुसार ऐसी क्रिया/उपयोग सामान्यतः अनुमन्य/सशर्त अनुमन्य/विशेष अनुमति से अनुमन्य हो) अनुमन्य किये जाने हेतु न्यूनतम एक माह की समयावधि प्रदान करते हुए जनता से आपत्ति/सुझाव उचित माध्यमों से आमंत्रित किये जायेगे एवं इन आपत्तियों/सुझावों के निस्तारण के उपरांत ही स्वीकृति/अस्वीकृति की कार्यवाही की जाएगी।**

यदि उक्त भूमि पर हास्पिटल निर्माण हेतु मानचित्र स्वीकृति किए जाने में किसी को कोई आपत्ति हो तो एक माह के अंदर साक्ष्यों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के समक्ष अथवा बस्ती विकास प्राधिकरण, बस्ती के कार्यालय में दर्ज करा सकता है। एक माह की अवधि के उपरात किसी भी व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा एवं नियमानुसार मानचित्र स्वीकृति के संबंध में कार्यवाही कर दी जाएगी।

सचिव
बस्ती विकास प्राधिकरण,
बस्ती।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 217/2024
जाबिर अली–सायलान
1. जाबिर अली उम्र 48 वर्ष 2. मोहम्मद आरिफ उम्र 45 वर्ष पुत्रगण स्व0 साबिर अली 3. श्रीमती सदुरन्निशां उम्र 78 वर्ष पत्नी स्व0 साबिर अली साकिनान कुर्थिया पो0 असनहरा पिन कोड नं0–272194 तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती (उ0प्र0)
तारीख पेशी 17–01–2025
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 17–01–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–559/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) मोहदय बस्ती जिला–बस्ती
धर्मात्मा प्रसाद
बनाम
श्रीमती कलावती आदि
1. श्रीमती कलावती उम्र 50 साल पत्नी रामपत साकिन कैथवलिया तप्पा गासियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. श्रीमती प्रमिला उम्र 28 साल पत्नी प्रेमचन्द्र निवासी बांसखोरखुर्द तप्पा बांसखोर परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला–बस्ती
3. गौरी शंकर उम्र 85 साल पुत्र स्व0 गंगा प्रसाद साकिन बांसखोरखुर्द तप्पा बांसखोर परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला–बस्ती
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 29–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

परिषदीय विद्यालयों में दिव्यांगों के लिए बनाए शौचालय –संजय मीना

संवाददाता–गोरखपुर। सीडीओ संजय कुमार मीना ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन परिषदीय विद्यालयों में दिव्यांग शौचालय नहीं है, वहां दिव्यांगों के लिए शौचालय का निर्माण जल्द से जल्द किया जाए। गुरुवार को संजय कुमार मीना विकास भवन स्थित मनरेगा सभाकक्ष में पंचायती राज विभाग के कार्यो की समीक्षा कर रहे थे। डीपीआरओ नीलेश प्रताप सिंह, जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण बच्चा सिंह, अभिजीत सिंह, ऋषिकेश सिंह और जिला कार्यक्रम प्रबन्धक रविकांत दुबे उपस्थित रहे। सीडीओ ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के फेज 2 के अंतर्गत जनपद के सभी 1273 ग्राम पंचायतों में कचरा प्रबंधन केंद्र (आरआरसी) का निर्माण 30 दिसंबर तक पूरा कराया जाए। बैठक में उन्हें बताया गया कि 600 की संख्या में आरआरसी का निर्माण पूरा हो गया है। 400 स्थानों पर निर्माणाधीन है। 110 स्थानों पर जमीन की तलाश की जा रही है। विश्वास दिलाया कि जल्द ही निर्माण कार्य पूरा का लिया जाएगा।

बैठक में सीडीओ ने बताया कि जनपद में 23 अंत्येष्टि स्थल के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक सिर्फ 10 ही पूरे हुए हैं। शेष 13 का निर्माण पूर्ण कराने के लिए उन्होंने 5 जनवरी तक का लक्ष्य दिया। इसके अलावा जिन ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन नहीं है, वहां पंचायत भवन का निर्माण करने और के आदेश दिए। कहा कि जहां निर्माण चल रहा वहां 31 दिसंबर तक निर्माण पूरा कराया जाए। पंचायत भवन के लिए जहां जमीन नहीं है, भूमि उपलब्धता के लिए संबंधित एसडीएम को पत्र प्रेषित किया जाए।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com